Nai Dunia (Indore), 3rd June 2021, Page-3

उच्च शिक्षा

दो वर्ष के कोर्स में पहले वर्ष प्रोजेक्ट कार्य और दूसरे वर्ष में इंडस्ट्रीज में व्हीकल बनाना सिखाया जाएगा

आइआइटी इंदौर इलेक्ट्रिक व्हीकल टेक्नोलाजी में कराएगा मास्टर डिग्री

गजेंद्र विश्वकर्मा • इंदौर

इलेक्ट्रिक व्हीकल की डिमांड को देखते हुए अब भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर से इस विषय में एमटेक किया जा सकेगा। संस्थान इस वर्ष से इलेक्ट्रिक व्हीकल टेक्नोलाजी विषय में मास्टर डिग्री करा रहा है। दो वर्ष के कोर्स में पहले वर्ष प्रोजेक्ट कार्य और दूसरे वर्ष में इंडस्ट्रीज में ले जाकर विद्यार्थियों को इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने की सभी बारीकियां सिखाई जाएंगी।

कोर्स में मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रानिक्स एवं कम्यूनिकेशन, आटोमोबाइल एवं इंस्ट्रूमेंटेशन, प्रोडक्शन, मेकाट्रानिक्स में बैचलर आफ इंजीनियरिंग (बीई) करने वाले विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। इसके लिए ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट) में बेहतर अंक होना भी जरूरी होगा। आइआइटी इंदौर ने इलेक्ट्रिक व्हीकल टेक्नोलाजी पर लगातार काम करने के लिए नीति आयोग की सलाह पर 2021 में ही सेंटर आफ इलेक्ट्रिक एटीट्यूड एंड इंटेलीजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम (सीईवीआइटीएस) की स्थापना की है। इसके तहत इलेक्ट्रिक व्हीकल टेक्नोलाजी में एमटेक कोर्स कराया जा रहा है। इसकी कक्षाएं जुलाई में शुरू होंगी। इसके साथ ही संस्थान इलेक्ट्रिक व्हीकल से जुड़े विषयों पर पीएचडी भी जल्द शुरू करने जा रहा है। सीईवीआइटीएस के हेड डा. अमोध सी उर्मिकर का कहना है कि देश के अधिकतर आइआइटी में इससे संबंधित विषयों की शुरुआत हो चुकी है। इस वर्ष से हम भी इसे शुरू करने जा रहे हैं। इसमें इंडस्ट्रीज के विशेषज्ञों को भी जगह दी जाएगी। कुछ समय बाद सर्टिफिकेशन कोर्स भी शुरू करने जा रहे हैं ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इलेक्ट्रिक व्हीकल क्षेत्र में काम करने के लिए आगे आएं। एमटेक कोर्स में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को फैलोशिप भी प्रदान की जाएगी।

असाइनमेंट-इंटरनल मार्क्स पर करें मूल्यांकन, जल्द घोषित करें बीएड-एमएड का रिजल्ट

इंदौर। कोरोना संक्रमण के कारण आगे बढ़ाई गई बीएड-एमएड फर्स्ट सेमेस्टर की परीक्षा को अब रद करने की मांग होने लगी है। बुधवार को अशासकीय शिक्षा महाविद्यालय संचालक संघ ने देवी अहिल्या विश्वविद्यालय प्रशासन के सामने विद्यार्थियों का मूल्यांकन असाइनमेंट के आधार पर करने की बात कही। रिजल्ट 30 जून से पहले घोषित करने को कहा ताकि विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने में

आसानी हो सके। हालांकि विवि ने इस मुद्दे को बोर्ड आफ स्टडी और परीक्षा समिति के सामने रखा है। अधिकारियों के मुताबिक अगले तीन-चार दिन में बैठक बुलाई जाएगी। बुधवार दोपहर एक बजे संघ के अध्यक्ष अभय पांडे, गिरधर नागर, रवि भदौरिया, जयंत कासलीवाल सहित अन्य पदाधिकारियों ने प्रभारी रजिस्ट्रार अनिल शर्मा से मुलाकात की। प्रभारी रजिस्ट्रार शर्मा का कहना है कि एनसीटीई पाठ्यक्रमों से जुड़ा विषय होने के चलते बोर्ड आफ स्टडी और परीक्षा समिति से विचार-विमर्श किया जाएगा। शुक्रवार तक बैठक बुलाई जाएगी। विशेषज्ञों के सुझाव पर निर्णय लेंगे।

बीए, बीकॉम-बीएससी के 15 और एमए, एमकॉम-एमएससी के 23 जून को प्रश्न पत्र होंगे अपलोड

इंदौर। ओपन बुक पद्धति से होने वाली यूजी-पीजी कोर्स की परीक्षा को लेकर देवी अहिल्या विवि ने बुधवार को फैसला ले लिया है। बीए, बीकॉम, बीएससी समेत अन्य यूजी फाइनल ईयर के प्रश्न पत्र 15 जून को वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे। पांच दिन में जवाब लिखकर विद्यार्थियों को कॉपियां जमा करनी हैं। अधिकारियों के मुताबिक अगले कुछ दिनों में कॉपी कलेक्शन सेंटर की सूची जारी होगी, जिसमें सरकारी और निजी कॉलेजों को जिम्मेदारी सौंपेंगे। वहीं एमए, एमकॉम और एमएससी फाइनल सेमेस्टर की परीक्षा 23 जून को करवाई जाएगी। फिलहाल जून पहले सप्ताह में विद्यार्थियों को पीजी कोर्स में फिर आवेदन करने का मौका दिया जाएगा।

बुधवार को कुलपति डा. रेणु जैन ने परीक्षा और रिजल्ट की तैयारियों को लेकर अधिकारियों की बैठक बुलाई। प्रभारी रजिस्ट्रार अनिल शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डा. अशेष तिवारी, डिप्टी रजिस्ट्रार प्रज्जवल खरे, रचना ठाकुर, मूल्यांकन केंद्र प्रभारी डा. राजेंद्र सिंह उपस्थित थे। दोनों परीक्षा में विद्यार्थियों को जवाब लिखने के लिए पांच दिन का समय दिया गया है। यूजी की कॉपियां 20 जून और पीजी की 28 जून तक जमा होंगी। अधिकारियों ने परीक्षा से जुड़े कार्यों के लिए 200 कॉलेजों को कलेक्शन सेंटर बनाया है। विद्यार्थियों को अपने नजदीकी सेंटर पर कॉपियां जमा करने के निर्देश दिए हैं। प्रभारी रजिस्ट्रार शर्मा का कहना है कि दोनों परीक्षाओं के रिजल्ट 31 जुलाई तक घोषित किए जाएंगे।